राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

महामहिम राज्यपाल ने राजभवन में भारत के छः ख्यातिप्राप्त संगीत–कलाकारों को सम्मानित किया

पटना, 16 जून 2019

महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने आज राजभवन में राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त भारत के छः ख्यातिप्राप्त संगीत–कलाकारों को सम्मानित किया।

सम्मानित कलाकारों में 1. पद्मभूषण पंडित विश्वमोहन भट्ट (वीणा–वादक) 2. पंडित अनिंदो चटर्जी (तबला–वादक) 3. पंडित सलित भट्ट (वीणा–वादक) 4. पं॰ अनुव्रत चटर्जी (तबला–वादक) 5. मुराद अली खान (सारंगी–वादक) एवं 6. श्री अभिषेक मिश्रा (तबला–वादक) शामिल थे, जिन्हें मधुबनी चित्रकला से सुसज्जित अंगवस्त्रम् एवं स्मृति–चिह्न प्रदान करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने सम्मानित किया।

सम्मान–समारोह को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत की परम्परा अत्यन्त गौरवशाली रही है। उन्होंने कहा कि पाश्चात्य संगीत के अनुकरण में भारत में भी कोलाहलपूर्ण संगीत फिल्मों में आने लगा, जिससे भारतीय संगीत–परम्परा को क्षति पहुँची। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत–परम्परा में प्रकृति के अनुरूप विभिन्न रागों का सृजन हुआ है, जो अत्यन्त मर्मस्पर्शी हैं। उन्होंने कहा कि तानसेन की सांगीतिक विरासत सँभालने वाले भारतीयों में आज शास्त्रीय संगीत के प्रति अभिरूचि जगाना बेहद जरूरी हो गया है। राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन गुरू–शिष्य–परम्परा का पालन करते हुए तथा विभिन्न संगीत–घरानों की विशिष्टता बहाल रखते हुए नयी पीढ़ी को शास्त्रीय संगीत के प्रति अभिप्रेरित करना आज के संगीत–कलाकारों के लिए भी चुनौती भरा दायित्व हो गया है।

राज्यपाल ने कहा कि आज के संगीत में स्वर–राग–भाव एवं वाद्य–यंत्रों के सुन्दर प्रयोग की जगह उबाऊ और कर्णकटु–कोलाहलपूर्ण वाद्य–ध्वनियों का संयोजन रहता है, जो भारतीय परम्परा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि प्राचीन युग में कलाकारों और संगीतज्ञों को राज्याश्रय प्राप्त था, परन्तु इधर कद्रदानी में कमी आई है। आज आवश्यकता है कि हम कलाकारों को भरपूर सम्मान दें एवं उनकी प्रतिभा की सराहना करें। राज्यपाल ने कहा कि राजभवन ने भारतीय शास्त्रीय संगीत–परम्परा से जुड़े ख्यातिप्राप्त कलाकारों को सम्मानित करने का निर्णय नयी पीढ़ी के कलाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लिया है, ताकि वे भी भारतीय संगीत–परम्परा की ओर कदम बढ़ाकर इसे समृद्ध बनायें।

शेष पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि बिहार में भी ध्रुपद गायन एवं ठुमरी गायन की अत्यन्त समृद्ध परम्परा रही है। दरभंगा, बेतिया एवं डुमराँव घराने का ध्रुपद–गायन तथा गया घराने की ठुमरी काफी चर्चित रही है। पं॰ रामचतुर मल्लिक, पं॰ छितिपाल मल्लिक, बच्चू मल्लिक, धानारंग जी, पं॰ जयराम तिवारी, पं॰ राम गोविन्द पाठक, पं॰ ओंकारनाथ ठाकुर, भारतरत्न शहनाई वादक विस्मिल्ला खाँ, पद्मश्री गजेन्द्रनारायण सिंह आदि अनगिनत संगीतज्ञों ने शास्त्रीय संगीत की परम्परा को समृद्ध करते हुए देश में बिहार का नाम रोशन किया है।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन उच्च शिक्षा के विकास के साथ–साथ कला, संस्कृति, साहित्य, दर्शन आदि क्षेत्रों से जुड़े लोगों को प्रोत्साहित करने के साथ–साथ सामाजिक सरोकार के क्षेत्रों में भी अपनी सक्रियता समय–समय पर प्रकट करता रहेगा; ताकि जन–मानस इससे प्रेरित और प्रोत्साहित होता रहे।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री आर॰के॰ महाजन एवं अपर सचिव श्री विजय कुमार भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में दूरदर्शन (दिल्ली) के उप निदेशक श्री राजीव सिन्हा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। दूरदर्शन पटना के अधिकारी श्री राजकुमार नाहर ने स्वागत–भाषण तथा श्री एस॰आर॰एफ॰ यूसूफ ने धन्यवाद–ज्ञापन किया। मंच–संचालन श्रीमती सोमा चक्रवर्ती ने किया। कार्यक्रम में दूरदर्शन (पटना) के अधिकारी श्री विजय कुमार एवं श्री वेद प्रकाश भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन के अधिकारियों को भी स्मृति–चिह्न दिये गये।

.....